APPROACH – ANSWER: G. S. MAINS MOCK TEST - 2068 (2023)

1. ***Highlighting the achievements of the Montreal Protocol on Substances that Deplete the Ozone Layer, discuss the reasons behind its success.***

ओजोन परत का क्षय करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, इसकी सफलता के कारणों पर चर्चा कीजिए।

दृष्टिकोण:

- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियों के बारे में लिखिए।
- इसकी सफलता के कारणों पर प्रकाश डालिए।
- तदनुसार निष्कर्ष प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर:

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जिसे वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल में अपनाया गया था। इसका उद्देश्य उन पदार्थों के उत्पादन और उपयोग को विनियमित करना है जो ओजोन के ह्रास में योगदान करते हैं।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियां

- **सही अर्थों में वैश्विक भागीदारी:** वर्ष 2009 में, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल सार्वभौमिक अनुसमर्थन प्राप्त करने वाली पहली संयुक्त राष्ट्र संधि बन गई, जो ओजोन संरक्षण एवं वैश्विक पर्यावरण संरक्षण हेतु विश्व की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।
- **ओजोन परत में सुधार:** वैश्विक अवलोकनों ने सत्यापित किया है कि प्रमुख ओजोन परत को क्षीण करने वाले पदार्थों (ODS) का वायुमंडलीय स्तर नीचे जा रहा है और यह माना जाता है कि प्रोटोकॉल के प्रावधानों के कार्यान्वयन के साथ इस सदी के मध्य तक ओजोन परत को 1980 से पूर्व के अपने स्तर पर वापस आ जाना चाहिए।
- **विकासशील देशों को समर्थन:** मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन के लिए बहुपक्षीय कोष की सहायता से विकासशील देशों ने वर्ष 2010 के मध्य तक लगभग 270,000 टन से अधिक ओजोन परत को क्षीण करने वाले पदार्थों (ODS) को स्थायी रूप से समाप्त कर दिया था तथा CFC और हैलोन के अपने सभी उत्पादन को लगभग समाप्त कर दिया। ओजोन परत को क्षीण करने वाले पदार्थों का उपयोग विभिन्न उत्पादों के उत्पादन के लिए किया जाता था।
- **अनुपालन की उच्च दर:** सभी पक्षकारों और ODS समाप्त करने की उनकी सभी चरणबद्ध प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के पक्षकारों ने 98% से अधिक की अनुपालन दर हासिल की है। इसके अलावा, ODS को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की प्रक्रिया में विकसित एवं विकासशील दोनों देशों ने अपने चरणबद्ध लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही प्राप्त कर लिया है।
- **वर्ष 2010 में ODS समाप्त करने की उपलब्धि प्राप्त की गई:** 1 जनवरी 2010 वह दिन था जब सभी पक्षकारों ने क्लोरोफ्लोरोकार्बन, हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड और अन्य पूरी तरह से हाइड्रोजनीकृत ओजोन परत को क्षीण करने वाले पदार्थों (ODS) की खपत और उत्पादन को चरणबद्ध रूप से समाप्त कर दिया था।

इस प्रकार, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल वास्तव में ओजोन परत की रक्षा करने में सफल रहा है। **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की सफलता के कारणों के लिए निम्नलिखित कारक उत्तरदायी हो सकते हैं, जो सामान्यतः अन्य पर्यावरण संधियों में अनुपस्थित होते हैं:**

- **सहकारी दृष्टिकोण:** लघु, अनौपचारिक समूहों में काफी विचार-विमर्श हुआ, जिससे विश्वसनीय लोगों के बीच विचारों का वास्तविक आदान-प्रदान हुआ।